अनमोल विचार

समय ना लगाओ तय करने में, आपको करना क्या है, वरना समय तय कर लेगा कि आपका क्या करना है

जालंधर ब्रीज

इस सप्ताह का विचार

बरसात के समय सभी पक्षी रहने के लिए छत ढूंढते है लेकिन चील बारिश को अनदेखा करती हुई बादलों को चीरते हुए, उनके ऊपर उड़ते हुए आगे बढ़ती है

-डा. अब्दुल कलाम

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • 20 FEBUARY TO 26 FEBUARY 2020 • VOLUME-24 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

वित्तीय हालात को सुधारने के लिए निर्माण कार्यों की पेमेंट की अदायगी ई-बिलिंग के माध्यम से करे पंजाब सरकार

■ जालंधर से विजय कुमार की विशेष रिपोर्ट

अकाली-भाजपा सरकार द्वारा विभागों में पारदर्शिता लाने के लिए विभागों द्वारा करवाये जाने वाले टैंडर और इसकी बींडीग प्रक्रिया को मैनुअल रूप से खत्म करके ई-टैंडरिंग योजना लागू की जिसमें सरकार द्वारा ठेकेदारों और अफसरों की मिलीभगत को तो खत्म किया ही था साथ में दूसरे राज्यों से भी कंपीटीटर बुलवाकर सरकारी खजाने के नुकसान को बचा कर उसमें बढ़ौतरी की जिस से कि पूल सिस्टम और भाई भतीजा वाद को खत्म करने में सरकार काफी हद तक कामयाब हो सकी।

पंजाब में कांग्रेस की सरकार द्वारा अपने चुनावी वादे के दौरान भ्रष्टाचार को रोकने के लिये ई-सेवा में बढ़ौतरी की गई और उसमें एक कामयाबी ई-नक्शा लागू करके प्राप्त की है।

बिल्डिंग विभाग में फैले भ्रष्टाचार की शिकायतें अक्सर पूर्व निकाय मंत्री के पास जाती रहती थी जिस पर उसने गंभीरता से संज्ञान लेते हुये इस योजना को जंगी पधर पर लागू कर लोगो को नगर-निगम के

पंजाब सरकार ई-बिलिंग के माध्यम से भ्रष्ट अफसरों पर कसे शिकंजा

फालतू चक्करों से छुटकारा दिलवाया और भ्रष्ट अफसरों द्वारा नक्शा पास करने के दौरान लोगो को होने वाली मुश्किलें पर नकेल डाली।

इसी कड़ी में बढ़ौतरी करते हुये सरकार को डेवलपमेंट के काम के लिये सरकारी पैसे में हो रहे दुरूपयोग को रोकने के लिए और बिलिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए ई-बिलिंग करनी चाहिए अगर सरकार ई-बिलिंग लागू करती है तो एक तो सरकारी विभागों में जो कमिश्न सिस्टम जो कि सरकारी अफसरों द्वारा ठेकेदार द्वारा पेश किए गये बिलों को पास करने की एवज में वसूले जाते है जिससे कि ठेकेदार द्वारा घटिया क्वालिटी का काम करवाया जाता है और अपने द्वारा फर्जी बिलों को भी पास करवाया जाता है अगर सरकार ई-बिलिंग योजना लागू करती है तो एक तो ठेकेदार जो विभाग के भ्रष्ट अफसरों को कमिश्न देता है वो सेविंग के रूप में सरकार को देगा और काम को तेजी से खत्म करेगा क्योंकि बिलिंग को अफसर द्वारा आनलाईन ही चैक करना होगा और ठेकेदार को भी पीछे-पीछे नहीं घूमना पड़ेगा। एक आश्चर्यजनक बात यह सामने आई है कि पंजाब के कुछ विभागों में अपने द्वारा किये हुए काम का बिल ठेकेदार नहीं पेश करता उसको विभाग के जेई खुद चढ़ाते है और इसकी एवज में अपने रिस्क पर जो काम नहीं भी किया होता उसको ठेकेदार के साथ मिली भगत करके फर्जी बिलिंग करके एडजस्टमैंट करते है जिससे कि सरकार को भ्रष्ट अफसरों द्वारा मोटा चूना लगाया जाता है यह प्रक्रिया पंजाब के कुछ सरकारी विभागों में प्रचलित है इसकी रोकथाम के लिए सरकार को जल्द से जल्द ई-बिलिंग लागू करके चल रही उलटी प्रथा को रोका जाना चाहिए क्योंकि बिल तो ठेकेदार द्वारा पेश करना होता है जिसने उस बिल के जरिए अपने किए हुए काम को पैसों के रूप में वसूलना होता है।

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों और आतंकियों में मुठभेड़, तीन आतंकवादी ढेर

■ श्रीनगर/न्यूज नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद मंगलवार देर रात सुरक्षा बलों ने पुलवामा जिले के त्राल इलाके में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया।

उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि इस मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। घटना की विस्तृत जानकारी मिलना अभी बाकी है।

करनाल में टोल प्लाजा के पास चाकू दिखाकर 19 वर्षीय युवती के साथ बलात्कार

■ चंडीगढ़/न्यूज नेटवर्क

पंजाब की 19 वर्षीय एक युवती ने हरियाणा के करनाल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा के नजदीक अंडरपास में उसका अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किये जाने का आरोप लगाया है। करनाल जिले में मधुबन थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर करनाल के सतौंदी गांव के एक फेरीवाले और उसक साथी को गिरफ्तार किया है। पीड़िता विवाहित है और पंजाब के लुधियाना की रहने वाली है। उसने आरोप लगाया कि वह करनाल में राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा के पास शौचालय गई थी तभी दो लोगों

से चाकू दिखाकर उसका अपहरण कर लिया।

महिला ने बताया कि वह रविवार रात अपने पति के साथ पानीपत से लौट रही थी और एक रिश्तेदार से मिलने के लिए टोल प्लाजा पर बस से उतरी थी। घटना के समय उसका पति वहीं एक दुकान पर चाय पी रहा था। पुलिस ने बताया कि प्रमुख आरोपी ने सड़क किनारे कुटेल अंडरपास के पास उससे कथित तौर पर बलात्कार किया और दूसरे आरोपी ने गुनाह को अंजाम देने में उसकी मदद की।

मधुबन थाना प्रभारी तरसेम सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद वे वहां से फरार हो गए। इसके बाद महिला किसी तरह अपने पति के पास पुहंची और दम्पती ने मधुबन पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने अपहरण और बलात्कार के आरोप में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। सिंह ने बताया कि प्रमुख आरोपी को सोमवार को और उसके साथी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

'खुलापन' हिन्दुओं की खासियत है, उन्हें प्रतिक्रियावादी नहीं होना चाहिए: भागवत

■ नई दिल्ली/न्यूज नेटवर्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को स्तंभकारों के एक समूह के कहा कि 'खुलापन' हिन्दुओं की विशेषता है और इसे बचाये रखा जाना चाहिए ।

सूत्रों ने यह जानकारी दी। समझा जाता है कि भागवत ने कहा कि हिन्दू समाज को जागृत होना चाहिए लेकिन किसी के विरूद्ध नहीं होना चाहिए। भागवत ने दिल्ली के छत्तरपुर इलाकों में देशभर के 70 स्तंभकारों से बंद कमरे में संवाद किया और आरएसएस के बारे में फैलायी जा रही गलत धारणा को लेकर चर्चा की।

आरएसएस प्रमुख के साथ

बैठक में मौजूद कुछ स्तंभकारों ने इस संवाद को 'सार्थक' बताया जिसमें विविध विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। एक स्तंभकार के अनुसार, भागवत ने कहा, खुलापन हिन्दुओं की विशेषता है और इसे बचाये रखा जाना चाहिए। भागवत ने हिन्दुओं को जागृत एवं सतर्क रहने पर जोर देते हुए कहा कि जब तक हिन्दू संगठित एवं सतर्क है, उसे कोई खतरा नहीं है।

स्तंभकार के अनुसार सरसंघचालक ने कहा, "हिन्दुओं को जागृत रहना है लेकिन किसी के विरूद्ध नहीं। उन्हें प्रतिक्रियावादी होने की जरूरत नहीं ।

हम किसी का वर्गीकरण नहीं करते हैं । हम किसी पर संदेह नहीं करते हैं।" नागरिकता संशोधन अधिनियम और इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शनों पर भागवत ने कहा कि कोई भी कानून को पसंद या नापसंद कर सकता है, उसे बदलने की भी मांग कर सकता हैलेकिन सार्वजनिक सम्पत्ति को जलाया या नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता है। यह लोकतंत्र में सही नहीं है। भागवत ने पूछा, "लेकिन अब हाथों में तिरंगा और संविधान लेकर तथा भारत माता की जय कह रहे हैं, तब कौन बदल रहा है।"

दुनिया के टॉप 100 शैक्षणिक संस्थानों में शामिल हुई भारत की यह 11 यूनिवर्सिटी

■ लंदन/न्यूज नेटवर्क

उभरती अर्थव्यवस्थाओं के शीर्ष 100 शैक्षणिक संस्थानों में इस साल भारत के 11 संस्थानों ने जगह बनायी है।टाइम्स हायर एजुकेशन इमर्जिंग इकोनॉमीज यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में 47 उभरती अर्थव्यवस्थाओं के शैक्षणिक संस्थानों को जगह दी गयी है। इसमें चीन के सर्वाधिक 30 संस्थानों को जगह मिली है।

मंगलवार की शाम यहां जारी सूची के अनुसार, 47 देशों के कुल 533 संस्थानों में भारत के 56 संस्थानों को जगह मिली हैं। शीर्ष 100 में भारत के 11 संस्थान शामिल हैं। सूची के अनुसार, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) को 16वां

स्थान मिला है। इसके अलावा आईआईटी खड़गपुर 32वें, आईआईटी दिल्ली 38वें और आईआईटी मद्रास 63वें स्थान पर है। आईआईटी रोपड़, इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी और अमृत विश्व विद्यापीठम को शीर्ष 100 में पहली बार स्थान मिला है। इस रैंकिंग की शुरुआत 2014 में हुई। उसके बाद से यह सिर्फ दूसरा मौका है जब शीर्ष 100 में 11 भारतीय संस्थान शामिल हुए हैं।

कांग्रेस में प्रियंका गांधी को राज्यसभा भेजने की लगी होड़, सोनिया लेंगी आखिरी फैसला

■ नई दिल्ली/न्यूज नेटवर्क

कांग्रेस में महासचिव प्रियंका गांधी को राज्यसभा भेजने की हो? लगी है। जिन राज्यों से कांग्रेस की राज्यसभा सीट पक्की है वहां से प्रियंका गांधी को ऊपरी सदन भेजे जाने का अनुरोध किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव और राजस्थान प्रभारी अविनाश पांडे ने इसकी जानकारी देते हुए कहा है कि इस विषय मे अंतिम फैसला कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी लेंगी।

दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद अविनाश पांडे ने पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा, प्रियंका गांधी जी कांग्रेस और देश की सर्वमान्य नेता हैं. हर राज्य जहां पर भी कांग्रेस से राज्यसभा सीट आने की गुंजाइश है, वहां हर राज्य स्पर्धा में लगा हुआ है कि प्रियंका गांधी भी उनके राज्य से राज्यसभा में जाएं।

हर राज्य ने अपनी ओर से इच्छा जाहिर की है। उसमें राजस्थान भी अछूता नहीं है और यह निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष को लेना है। इससे पहले हाल में ही मध्यप्रदेश के कांग्रेस नेताओं ने प्रियंका गांधी को राज्यसभा भेजने को लेकर बयान दिए थे। कांग्रेस पार्टी के अंदर इस बात को लेकर भी कानाफूसी चल रही है कि प्रियंका को छत्तीसगढ़ से राज्यसभा भेजा जा सकता है। अब राजस्थान के प्रभारी ने स्पष्ट किया है कि वहां से भी प्रियंका गांधी को राज्यसभा भेजे जाने का अनुरोध किया गया है।

गुजरात में पकड़े गये चीनी जहाज में मिला मिसाइल लॉन्च करने का सामान, सुरक्षा बल सतर्क

■ कांडला/न्यूज नेटवर्क

गुजरात के कांडला बंदरगाह जिसे अब दीनदयाल पोर्ट के नाम से भी जाना जाता है, पर पकड़े गये चीनी जहाज की जाँच में जुटी एजेंसियों के हाथ कुछ चौंकाने वाले तथ्य लगे हैं। बताया जा रहा है कि चीनी जहाज के कार्गो में मिसाइल लॉन्च करने का सामान मिला है जिसके बारे में यह भी कहा जा रहा है कि यह परमाणु मिसाइल लॉन्च करने में भी सक्षम है। चीन से कराची जा रहे जहाज में इस तरह का सामान मिलना इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अगले सप्ताह भारत आने का कार्यक्रम है और वह सीधे गुजरात ही आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार

खुफिया एजेंसियां, डीआरडीओ के वैज्ञानिक और सीमा शुल्क अधिकारियों का दल जहाज पर मौजूद संदिग्ध उपकरणों का निरीक्षण कर रहा है और उनसे संबंधित विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक इस चीनी जहाज का नाम दा क्वी योन बताया जा रहा है। इस जहाज पर हांगकांग का झंडा लगा हुआ है और पोर्ट कासिम यानि कराची लिखा हुआ है। यह जहाज चीन के जियांग्यू प्रांत से 17 जनवरी को रवाना हुआ था और तीन फरवरी को इसे कांडला बंदरगाह पर रोका गया तब से यह वहीं पर ही है। इस चीनी जहाज में 22 क्रू-मैंबर सवार हैं जिनसे पूछताछ का काम जारी है। डीआरडीओ के अधिकारी पूरे मामले की जांच में तो जुटे ही हुए हैं तथा चीन की पिछली कुछ गतिविधियों और इस जहाज के पकड़े जाने की घटना के बीच की कड़ियों को जोड़ने का भी काम कर रहे हैं। फिलहाल यह चीनी जहाज बंदरगाह की जैटी-15 पर खड़ा हुआ है और इसके आसपास कड़ी सुरक्षा है।

आगे दौड़ पीछे छोड़ की कहावत पर चल रहा जालंधर स्मार्ट सिटी प्रौजेक्ट

जालंधर स्मार्ट सिटी की परखी हकीकत तो खुली पोल

■ जालंधर से विजय कुमार की विशेष रिपोर्ट

जालंधर शहर को स्मार्ट सिटी का दर्जा प्राप्त तो हो गया पर उसकी बदकिस्मती यह है कि उसके पास स्मार्ट अफसरों की बड़े स्तर पर कमी है जिसके परिणामस्वरूप उनको केन्द्र द्वारा दी गई राशि का प्रयोग करना नहीं आ रहा।

हमें रोज अखबारों के माध्यम से पढ़ने को मिलता कि नगर-निगम शहर के प्रमुख चौंकों का सौंदर्यकरण करवा रहा है जिसका ठेका एक कंपनी को भी दे दिया गया है जिसने अभी 4 से 5 प्रतिशत ही काम पूरा किया और तो और उसको ब्लैकलिस्ट करने की माँग की गई है पर उसको ब्लैकलिस्ट करना तो पोलिसी मैटर है।

परन्तु जो नालायक अफसर इस स्मार्ट सिटी के तहत योजनाएं बना रहे हैं उनको यह नहीं पता है कि पैदल रोड क्रासिंग करने वाले के लिए आपने कोई योजना बनाई? कहाँ-कहाँ हमें फुटओवरब्रिज बनाने की ज़रूरत है क्या उन्हें चिन्हित किया गया? इन चौंको पर पैसे लगाने की क्या जरूरत है? ग्रीन ब्लैट पर ट्रांसपोर्टरों, ढाबे वालों ने अवैध कब्जे कर रखे हैं उसको तो पहले अफसर हटवाएं। इसका एक उदाहरण आपको वर्कशाप चौंक से लेकर पटेल चौंक तक दोनों तरफ मिल जाएगा ऐसी ही एक और उदाहारण आपको वर्कशाप चौक से कपूरथला चौक पर आपको सेंटरवर्ज पर मिल जाएगा जिसको प्रशासन द्वारा कुछ ही साल पहले पैदल रोड क्रासिंग रोकने के लिए ऊँचा करवाया गया था पर इसका कोई असर ना होते हुआ देखते हुए उसके बाद ग्रीलों को लगवाया गया।

परन्तु कुछ निजी अस्पतालों और दुकानदारों द्वारा अपने निजी हितों को देखते हुए इस सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाकर उसको अवैध तरीके से तोड़कर सीढ़ियो में तबदील कर दिया गया जिससे की आए दिन लोगों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ता है शहर की बदकिस्मती यह है की नगर-निगम के अफसर भ्रष्टाचार में इतने अंधे हो चुके हैं ना तो उन्हें कुछ नज़र आता और ना ही वो कुछ देखना चाहते हैं।

अगर कोई आरटीआई कार्यकर्त्ता उन्हें जगाने की कोशिश करते भी है तो पार्षदों और भ्रष्ट अफसरों की मिलीभगत से उन आरटीआई कार्यकर्त्ता के खिलाफ मते डलवाकर उन्हें ब्लैकलिस्ट करवाने की कोशिश की जाती है पर वो भ्रष्ट अफसर अपनी इस चाल में असफल हो जाते है।

उक्ति

व्यक्ति जब क्रोध में होता है तब वह अपना बुरा-भला नहीं समझ पाता। यही व्यक्ति को न सिर्फ पतन की ओर ले जाता है बल्कि अपनों से दूर भी करता है।

■ चाणक्य

www.jalandharbreeze.com

साप्ताहिक
20 फरवरी से 26 फरवरी 2020
जालंधर ब्रीज

दखल

भूजल संकट की गंभीरता

भूजल संकट की बात को अगर और पुख्ता करना चाहें तो संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट पर नजर डाल लेनी चाहिए। जलवायु परिवर्तन और अतिदोहन से घटते भूजल के कारण प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता पिछले दशकों के मुकाबले तेजी से घट गई है। भूजल के कम होने या खत्म होने की यह पहली रिपोर्ट नहीं है। इससे पहले भी कई बार रिपोर्ट में समस्या के प्रति आगाह किया जा चुका है, मगर आज तक किसी न इसे गंभीरता से नहीं लिया।

घटते भूजल की चिंता बढ़ती जा रही है। हाल में दुनिया के 94 देशों के एक हजार से ज्यादा वैज्ञानिकों, जल विशेषज्ञों व संबंधित जानकारों ने इस ओर ध्यान दिलाते हुए दुनियाभर की सरकारों और गैर सरकारी संगठनों के नाम एक बयान जारी किया है। यह मसला हाल फिलहाल उतना बड़ा जरूर न दिख रहा हो, लेकिन साल दर साल जिस तरह भूजल संकट बड़ा बनता जा रहा है, उसके मद्देनजर फौरन ही चेत जाना चाहिए। पिछली सदी के अस्सी के दशक से आज तक दुनिया में पानी की खपत हर साल कम से कम एक फीसद बढ़ रही है। इस हिसाब से यह अंदाजा भी लग गया है कि कितनी भी किफायत बरत लें, आज की तुलना में 2050 तक दुनिया को कम से कम 30 प्रतिशत अतिरिक्त पानी की जरूरत पड़ेगी ही पड़ेगी। पिछले हफ्ते जारी वैज्ञानिकों का बयान चेता रहा है कि इसे दूर की बात न मानें बल्कि निकट भविष्य में भी खतरे की घंटी बजने को है। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि जल संकट कोई नई चिंता है। पिछले तीन दशक से इसे जताया जा रहा है। यह अलग बात है कि इस बीच कोई बड़ा हादसा हुआ दिखाई नहीं दिया। सवाल उठना स्वाभाविक है कि बढ़ती मांग के बावजूद पानी का इंतजाम हो कहां से रहा है। जवाब है कि सतही जल कम पड़ने के बाद पूरी दुनिया में जमीन के नीचे आरक्षित भूजल का दोहन बढ़ता गया।

दुनिया की जो हालत है, वह तो फिर भी उतनी खराब नहीं है जितनी कि अपने देश की है। इसका सीधा-सा कारण है कि दुनिया में इस समय जितना भूजल दोहन हो रहा है, उसका एक चौथाई सिर्फ भारत में जमीन से उलीचा जा रहा है। जबकि भौगोलिक तथ्य यह है कि दुनिया में जितनी जमीन है, उसकी तुलना में भारत की भूमि का क्षेत्रफल सिर्फ ढाई फीसद है। इस हिसाब से देखें, तो हम विश्व के मुकाबले कोई दस गुना भूजल दोहन कर रहे हैं, यानी घटते भूजल से होने वाला खतरा सबसे ज्यादा हमारे सामने ही है। इसे ज्यादा दोहराने की जरूरत नहीं कि बढ़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन और अतिदोहन से घटते भूजल के कारण प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता पिछले दशकों के मुकाबले तेजी से घट गई है। कहा जा सकता है कि सिर्फ हम नहीं, बल्कि दुनिया के कई इलाके पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की 'वर्ल्ड वाटर डवलपमेंट' रिपोर्ट के मुताबिक करीब 400 करोड़ लोग यानी दुनिया की दो तिहाई आबादी ऐसे क्षेत्रों में रह रही है, जहां साल के कई महीनों में पानी की भारी किल्लत रहती है और इनमें से दो सौ करोड़ लोग ऐसे हैं जो पूरे साल ही पूर्ण रूप से पानी का संकट झेल रहे हैं। इन क्षेत्रों को 'वाटर स्ट्रेस्ड' क्षेत्र कहा जाता है। गंभीर बात यह है कि पानी की बेहद कमी वाले इन क्षेत्रों में वे क्षेत्र भी शामिल हैं जहां बारिश से पर्याप्त जल मिलता है।

पर्याप्त वर्षा के बावजूद जल संकट का मुख्य कारण वहां बारिश के पानी का सीमित भंडारण है। बारिश से मिलने वाले पानी को पूरा-पूरा रोक कर रखने में ज्यादातर छोटे और विकासशील देश आज भी असमर्थ हैं। दरअसल, वर्षा जल भंडारण एक खर्चीला काम है। जिन गरीब और विकासशील देशों को अपने विकास में पानी का महत्व समझ में आ रहा है, वे इस ओर ध्यान तो देना चाहते हैं, लेकिन इसमें उनकी माली हालत आड़े आ जाती है। हालांकि यह सवाल जरूर उठाया जा सकता है कि जीवन के लिए सबसे जरूरी चीज पानी के इंतजाम के लिए क्या आर्थिक संसाधन का तर्क दिया जा सकता है? भारत की बात करें तो क्या इस स्थिति पर हैरत नहीं होनी चाहिए कि बारिश के महीनों में जो क्षेत्र बाढ़ से जूझते हैं, वे इलाके बाकी के महीनों में पानी की किल्लत में रहने लगे हैं। अभी तक तो किल्लत वाले इलाकों में कामकाज किसी तरह चल रहा था। इसका कारण था भूजल की पर्याप्त उपलब्धता, यानी भूजल को उलीच कर काम चल रहा है। लेकिन अब चेत जाना चाहिए, क्योंकि भूजल चुकने लगा है। भूजल चुकने का कारण भी साफ है। बारिश से ही सतही जल और भूजल दोनों का पुनर्भरण होता है। लेकिन भूजल के पुनर्भरण की एक गति है। पिछले कुछ समय में जिस रफ्तार से जमीन से पानी निकाला जा रहा है, वह पुनर्भरण की रफ्तार से तेज है। जाहिर है, भूजल घटता जा रहा है। देश में कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां भूजल खत्म होने को है या पहुंच से काफी नीचे चला गया है। इसके लिए अगर पूरी ताकत लगा दें, फिर भी पुनर्भरण में कई साल लग जाएंगे। इसीलिए वैज्ञानिकों और जल विशेषज्ञों ने पिछले महीने जो बयान जारी किया है, उसमें कहा गया है कि भूजल पर ज्यादा सोचने के लिए अब समय नहीं बचा है।

भूजल संकट की बात को अगर और पुख्ता करना चाहें तो संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट पर हमें नजर डाल लेनी चाहिए। इसके मुताबिक इस समय दुनिया में दो अरब लोग पीने के पानी के लिए भूजल पर आश्रित हैं। यही नहीं, खेती के लिए भी 40 फीसद पानी जमीन से लिया जा रहा है। यहां तक कि कई नदी-तालाबों का स्रोत भी भूजल ही है। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के 'वॉटर रिस्क एटलस' के मुताबिक एक सौ चौरासी में से करीब 17 देश ऐसे हैं जो जल संकट की 'अति गंभीर' श्रेणी में आ चुके हैं। ये वे देश हैं जहां कहा जाता है कि डे जीरो अब दूर नहीं है। डे जीरो यानी वह दिन जब सभी नल सूख जाएंगे। इन देशों में कतर, इजराइल, लीबिया, जॉर्डन, ईरान, कुवैत, ओमान जैसे देश शामिल हैं। भारत भी इन्हीं में एक है। इस सूची में भारत का होना समस्या की गंभीरता समझने के लिए काफी माना जाना चाहिए। ऐसा भी नहीं है कि भूजल संकट को लेकर भारत में समय-समय पर चिंताएं न जताई गई हों। पिछले साल ही नीति आयोग ने 'वाटर कंपोजिट इंडेक्स' रिपोर्ट में बताया था कि आने वाले एक साल में 21 शहरों में भूजल खत्म होने जा रहा है। भारत में आज 82 करोड़ लोग ऐसे इलाकों में रह रहे हैं, जहां प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष जल उपलब्धता सिर्फ एक हजार घनमीटर या उससे कम है। जबकि अंतरराष्ट्रीय मानदंड के मुताबिक प्रति व्यक्ति सालाना कम से कम एक हजार सात सौ घनमीटर पानी से ज्यादा उपलब्ध होना चाहिए।

भूजल के संकट के सुविधाजनक समाधानों की सूची लंबी होती जा रही है। इन समाधानों में पानी का किफायत से इस्तेमाल का नारा प्रमुख है। जल संरक्षण में नागरिकों की भूमिका भी जोर-शोर से प्रचारित की जा रही है। भूजल दोहन को कानूनी डंडे से रोकने के समाधान भी बताए जाते हैं। लेकिन जिस एक प्रमुख कारण की चर्चा कम होती है, वह है भूजल का अंधाधुंध दोहन। इसकी जरूरत इसलिए पड़ रही है कि वर्षा जल को रोक कर रखने का पर्याप्त प्रबंध हमारे पास नहीं है। हमें हर साल चार हजार अरब घनमीटर पानी प्रकृति से मिलता है, जिसमें से सिर्फ 257 अरब घनमीटर पानी हम बांधों, जलाशयों में रोक पाते हैं। जबकि विशेषज्ञ बताते हैं कि बारिश के दौरान हमें 690 अरब घनमीटर वह सतही जल आसानी से उपलब्ध है जिसे गैर बारिश वाले आठ महीनों के लिए रोककर रखा जा सकता है। यदि पानी भंडारित हो तो भूजल पर निर्भरता कम हो सकती है।

भूजल के कम होने या खत्म होने की यह पहली रिपोर्ट नहीं है। इससे पहले भी कई बार रिपोर्ट में समस्या के प्रति आगाह किया जा चुका है, मगर आज तक किसी न इसे गंभीरता से नहीं लिया। अब समय सोचने का नहीं, बल्कि करने का है। अगर हम अब भी इस दिशा में लापरवाह बने रहे तो हालात हाथ से बाहर हो जाएंगे।

■ **सुविज्ञा जैन**
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

हनीट्रैप ने फिर उठाए सवाल

पाकिस्तान के लिए ऑनलाइन जासूसी के आरोप में रविवार को पकड़े गए नौसेना के 11 कर्मचारियों समेत 13 लोगों ने एक बार फिर संवेदनशील सूचनाओं को लेकर बरती जा रही लापरवाही की पोल खोल दी है। सवाल यह है कि हम जवानों को बचा क्यों नहीं पा रहे।

पाक के लिए ऑनलाइन जासूसी के आरोप में रविवार को पकड़े गए नौसेना के 11 जवानों ने फिर संवेदनशील सूचनाओं को लेकर बरती जा रही लापरवाही की पोल खोल दी है। पकड़े गए जवानों पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के हनीट्रैप के जाल में फंसकर, सोशल मीडिया के जरिए नौसेना की खुफिया जानकारी लीक करने का आरोप है। गिरफ्तार कर्मचारी मुंबई, कर्नाटक के कारवार और विशाखापट्टनम समेत नौसेना के अलग-अलग बेस पर तैनात थे। आंध्र पुलिस, नेवी इंटेलीजेंस और सेंट्रल इंटेलीजेंस एजेंसियों की संयुक्त टीम ने जासूसी के मामले में पहले नौसेना के सात कर्मचारियों को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ में इन 13 लोगों के शामिल होने की जानकारी मिली। कर्मचारियों द्वारा सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल का मामला सामने आने के बाद नौसेना ने स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है। हालांकि, पिछले कुछ महीनों में समान मामले सामने आने के बावजूद आर्मी और वायुसेना ने इस तरह का बैन नहीं लगाया है।

नौसेना में स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लंबे समय से लागू है। उन्हें सख्ती से लागू किया जा रहा है। सवाल यह है कि हनीट्रैप के मामले समय-समय पर आते रहते हैं और सेना की तरफ से जवानों को हिदायत भी दी जाती रही है, मगर इसका कोई फर्क पड़ता नहीं दिख रहा। हुस्न-पैसे के बल पर पाकिस्तान जवानों को जाल में फंसा रहा है और सूचनाएं हासिल कर रहा है। ऐसे समय में, जब सुरक्षा के नाम पर आईएसआई और उसके नए-नए मॉड्यूल हर दिन नया गुल खिलाने की फिराक में हों, सोशल मीडिया उनके लिए ऐसा खिलौना बन चुका हो, जिसका इस्तेमाल कर पलक झपकते कुछ भी करना मुश्किल न हो, तब आईएसआई के हनीट्रैप में फंसे सेना के जवानों की गिरफ्तारी ने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी के साथ जवानों के पास स्मार्टफोन होने, न होने और सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता की पुरानी बहस भी नए सिरे लेती दिखाई दे रही है। कुछ दिनों पहले ऐसे ही सवालों के जवाब में तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल विपिन रावत ने माना था कि तकनीक और सूचना क्रांति के इस युग में वह जवानों को सोशल मीडिया से दूर रहने के लिए कैसे कह सकते हैं?

हनीट्रैप सिर्फ सेना के लिए ही डाला जाता हो, ऐसा भी नहीं है। लेकिन एक बार फिर से सेना के जवान का ऐसे मामले में पकड़ा जाना ज्यादा गंभीर है। यहां चिंता की बात यह नहीं है कि हमारी कुछ जानकारियां दुश्मन के हाथ साझा हो गईं। चिंता की असली बात यह है कि हमारे जवान जाल में फंस क्यों और कैसे रहे हैं? क्योंकि सेना में प्रवेश के साथ सबसे पहले उन्हें ऐसे किसी जाल से ही दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसे में, अहम सवाल यह कि कहीं यह हमारे प्रशिक्षण सिस्टम की कमी या सैन्य परिवेश में घर कर चुका कोई ऐसा दोष तो नहीं, जो जवानों को इस ओर जाने-अनजाने धकेल दे रहा है।

चुनौती बनती मानसिक बीमारियां

भारत में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं गंभीर रूप लेती जा रही हैं। इस बारे में हाल में लांसेट साइकियाट्री में 'इंडिया स्टेट लेवल डिजीज बर्डन इनिशिएटिव' द्वारा किया गया अध्ययन छपा है, जो देश में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े चिंताजनक हालात सामने रखता है। इस अध्ययन के अनुसार 2017 में करीब बीस करोड़ भारतीय मानसिक विकारों से ग्रस्त पाए गए। इनमें हर सात में से एक भारतीय अलग-अलग तरह की मानसिक बीमारी से पीड़ित निकला। मानसिक रोगों की इस फेहरिस्त में अवसाद, व्यग्रता, सीजोफ्रेनिया, विकास संबंधी बौद्धिक विकृति, आचरण संबंधी विकार और ऑटिज्म जैसी बामरियां शामिल हैं। इनमें अवसाद और व्यग्रता आम मानसिक विकार हैं। इतना ही नहीं, ये दोनों मानसिक व्याधियां भारत में तेजी से फैल रही हैं। अध्ययन के मुताबिक दो साल पहले तक साढ़े चार करोड़ से ज्यादा अवसाद ग्रस्त थे।

गौरतलब है कि यह अध्ययन मानसिक रोगों के कारण देश पर बीमारियों के बढ़ते बोझ और हर राज्य में इन समस्याओं के रुख को लेकर सामने आया पहला व्यापक अनुमान है। इसके मुताबिक साल 1990 से 2017 के बीच भारत में बीमारियों के कुल बोझ में मानसिक बीमारियों का योगदान बढ़ कर दोगुना हो गया। ऐसे में मन की सेहत बिगड़ने से जुड़ी ऐसी स्थितियां समाज और सरकार दोनों के लिए बेहद चिंतनीय हैं। दरअसल, बीते कुछ सालों में लोग शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर काफी सजग तो हुए हैं, लेकिन मानसिक सेहत संभालने की प्रवृत्ति आज भी नदारद है। इतना ही नहीं, बिगड़ी मनःस्थिति के मर्ज को स्वीकारने में भी संकोच किया जाता है। ऐसे में अपनी हो या किसी अपने की, अवसाद और व्यग्रता को छुपा कर और बड़ी बीमारी बना दिया जाता है। जबकि आज की जीवनशैली में तनाव-अवसाद घर से लेकर दफ्तर तक जीवन का हिस्सा बन गए हैं। भागमभाग ही कुछ ऐसी है कि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी मन की सेहत के मोर्चे पर पीछे छूट रहे हैं।

एक सर्वे से मुताबिक भारत में 43 फीसद लोग ही मानसिक बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल जाने की जरूरत महसूस करते हैं। दूरदराज के गांवों-कस्बों में तो ऐसी बीमारी को अंधविश्वास तक से जोड़ दिया जाता है। ऐसे में न केवल मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चिकित्सकीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की दरकार है, बल्कि इन व्याधियों के प्रति जन-जागरूकता लाने की की जरूरत है। असल में देखा जाए तो मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े अब वैश्विक चिंता बन गए हैं। दुनिया भर में 45 करोड़ से भी अधिक लोग मानसिक रोगों से ग्रस्त हैं। हमारे यहां भी एक बड़ी आबादी मानसिक अस्वस्थता से जूझ रही है। कभी विकसित देशों की समस्या कही जाने वाली ये मानसिक व्याधियां अब भारत में भी तेजी से जड़ें जमा रही हैं। आंकड़ों को देखें तो साल 2017 में करीब बीस करोड़ भारतीयों का मानसिक विकारों से ग्रस्त होना देश के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि यह हमारी आबादी की 14.3 फीसद है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वे 2015-16 के आंकड़े बताते हैं कि देश में 18 साल से अधिक उम्र वाले 5.25 फीसद नौजवान अवसाद के शिकार हैं। यानी हर बीस में से एक व्यक्ति को अवसाद ने घेर रखा है। बच्चों में भी तनाव, व्याकुलता और आत्मविश्वास में कमी जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसके चलते नई पीढ़ी में कम उम्र में ही कई शारीरिक और मानसिक बीमारियां होने का जोखिम भी बढ़ रहा है। हाल के वर्षों में भारत में आत्महत्या के आंकड़े भी तेजी से बढ़े हैं। हर उम्र, हर तबके के लोगों में जीवन से हार मान की लेने की प्रवृत्ति देखने को मिल रही है।

बिगड़ती मनोदशा के कारणों में पारिवारिक समस्याओं का भी अहम स्थान है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 के आंकड़े बताते हैं कि भारत की आबादी के चौदह फीसद लोगों को सक्रिय मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप की आवश्यकता है, जबकि पहले से ही स्वास्थ्य सेवाओं के जर्जर ढांचे से जूझ रहे हमारे देश में मानसिक रोगियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों की भी भारी कमी है।

हालांकि आत्महत्या की प्रवृत्ति दुनिया भर में देखने को मिल रही है, लेकिन हमारे देश के लिए ये एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि किसानों से लेकर अब शिक्षित युवाओं तक हर वर्ग के लोग जिंदगी से मुंह मोड़ रहे हैं। पिछले कुछ सालों में तो सामूहिक आत्महत्या के मामले भी सामने आए हैं, जिनमें निराशा और असुरक्षा की भावना के चलते पूरे परिवार ने ही आत्मघाती कदम उठा लिया। मन को उद्वेलित करने वाले ऐसे मामलों में घर के बड़े-बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक ने एक साथ मौत को गले लगा लिया। अधिकतर मामलों में तनाव और अवसाद ही अहम कारण रहा है, जो व्यावसायिक अफसलता, कर्ज, और सामाजिक-पारिवारिक कलह जैसी वजहों से पनपता है। कुछ समय पहले आई विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'प्रिवेंटिंग सुसाइड' नामक रिपोर्ट में भी कहा गया था कि दुनिया भर में सबसे अधिक आत्महत्या के मामले भारत में हो रहे हैं। आर्थिक समृद्धि की दौड़ के बीच गुम अनमोल मानवीय जीवन के अवमूल्यन को सामने रखती इस रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आत्महत्या को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के तौर पर रेखांकित किया था। डब्लूएचओ की इस रिपोर्ट में भारत को आत्महत्या के मामले में दुनिया की राजधानी तक कहा गया। ऐसे में मानसिक विकारों के शिकार लोगों की बढ़ती संख्या वाकई चिंतनीय है, क्योंकि इस अध्ययन में आत्महत्या और मानसिक बीमारी के बीच सीधा संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक मानसिक रूप से बीमार लोग आत्महत्या के ज्यादा प्रयास करते हैं। मानसिक रूप से बीमार महिलाएं आत्महत्या के ज्यादा प्रयास करती हैं।

विचारणीय है कि हमारे देश की पारंपरिक जीवनशैली संयमित और सहज जीवन जीने का संदेश लिए हुए है। दिखावे के संस्कृति से दूर, जरूरतों और इच्छाओं में अंतर करने का भाव गहराई से समाहित है। कहना गलत नहीं होगा कि आज की बदलती जीवन शैली के चलते अवसाद और व्यग्रता जैसी समस्याएं दस्तक दे रही हैं। मौजूदा जीवनशैली में दो बातें बहुत आम हो चली हैं। एक, सब कुछ पा लेने की की इच्छाएं बढ़ी हैं और दूसरा यह कि हालात से मुकाबला करने की शक्ति कम हुई है। सहिष्णुता और सहनशीलता व्यवहार से नदारद है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के सर्वे में भी यही सामने आया है कि आत्महत्या करने वाले लोगों में अधिकतर 15 से 35 साल के बीच के नौजवान ज्यादा हैं, जिन पर इस आयु में रोजगार पाने और स्वयं को साबित कर दिखाने का दवाब होता है। युवाओं का एक बड़ा प्रतिशत ऐसा भी है, जो शिक्षित और सफल तो है, पर अवसाद के चलते आत्महत्या जैसे कदम उठा रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के आईटी हब के तौर पर बेंगलुरू में आत्महत्या करने वालों की संख्या देश में सबसे अधिक है। यहां अकेलापन और अवसाद जान देने के बड़े कारण हैं। 'इंडिया स्टेट लेवल डिजीज बर्डन इनिशिएटिव' की रिपोर्ट भी बताती है कि नौकरी में अनिश्चितता, वैवाहिक स्थितियां और आर्थिक चिंताओं ने लोगों को अवसाद और तनाव की धकेला है। निस्संदेह, मानसिक रुग्णता से जुड़ी व्याधियों के आंकड़े साल दर साल बढ़ रहे हैं। हमारा सामाजिक तानाबाना ही कुछ ऐसा है कि इसमें तनाव और उलझनें कम नहीं हैं। जीवन की आपाधापी में तनावजन्य परिस्थितियों में इजाफा हुआ है, जो समस्या को बढ़ा रहा है।

■ **मोनिका शर्मा**
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

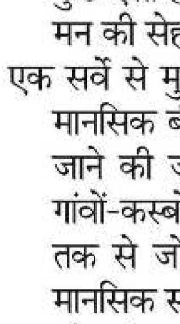

सेना के जवानों का हनीट्रैप में फंसना बताता है कि कहीं तो कुछ गड़बड़ है। यह तभी रुकेगा जब संवेदनशील सूचनाओं को लेकर सरकार व सेना सजग होगी।

मारुफ रजा, रक्षा विशेषज्ञ

सेना में पाक की आईएसआई का दखल काफी पुराना है, इसे रोकने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब सरकार को कोई पुख्ता नीति बनानी ही होगी।

पीके सहगल, रक्षा विशेषज्ञ

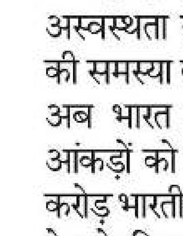

सत्यार्थ

भौतिकता में महानता नहीं

एक बार की बात है, राजा भोज दिन भर की व्यस्तता के बाद गहरी नींद में सोए हुए थे। स्वप्न में उन्हें एक दिव्य पुरुष के दर्शन हुए। उस दिव्य पुरुष के चारों ओर उजला सा आभामंडल था। भोज ने विनम्रता से उनका परिचय पूछा। मुस्काते हुए वह बोले-मैं सत्य हूं एवं मैं तुम्हें तुम्हारी तथाकथित उपलब्धियों का सच ही दिखाने आया हूं। चलो, मेरे साथ।

राजा उत्सुकता व खुशी से उनके साथ चल दिए। राजा भोज खुद को बहुत बड़ा धर्मात्मा समझते थे। उन्होंने अपने राज्य में कई मंदिर, धर्मशालाएं, नहरें व कुएं आदि बनवाए थे। उनके मन में इन कामों के लिए बहुत ही गर्व भी था। दिव्य पुरुष भी उन्हें उनके ही एक शानदार बगीचे में ले गए और बोले कि तुम्हें इस बगीचे का बहुत ही अभिमान है न। फिर उन्होंने एक पेड़ छुआ और देखते ही देखते वह ठूंठ सा हो गया। एक-एक करके सभी सुंदर फूलों से लदे वृक्षों को छूते गए और वे सभी ठूंठ होते भी चले गए। इसके बाद वे उन्हें भोज के एक स्वर्णजड़ित मंदिर के पास ले गए। भोज को वह मंदिर अतिप्रिय था। दिव्य पुरुष ने जैसे ही उसे छुआ, वह भी लोहे की तरह काला व खंडहर हो गया। यह देख राजा के तो होश ही उड़ गए। वे दोनों उन सभी स्थानों पर गए, जिन्हें राजा भोज ने लगन से बनवाया था। दिव्य पुरुष बोले- राजन, जिन्हें तुम उपलब्धि मानते थे, देखो, उनका क्या हश्र हुआ। भौतिक वस्तुओं के आधार पर महानता नहीं आंकी जाती। एक गरीब आदमी द्वारा पिलाए गए एक लोटे जल का मूल्य, उसका पुण्य, किसी धनी की करोड़ों स्वर्ण मुद्राओं से कहीं अधिक होता है। इतना कहने के बाद वे दिव्य पुरुष अंतरधान हो गए। राजा भोज ने स्वप्न पर गंभीरता से विचार किया और फिर ऐसे कामों में लग गए, जिन्हें करते समय उन्हें यश पाने की लालसा बिलकुल नहीं रही। उनकी समझ में यह बात आ चुकी थी कि महानता भौतिकता में नहीं होती, बल्कि जनता की सेवा करने में होती है।

मुकेश शर्मा

चीन के एक शहर से पूरी दुनिया में फैल चुके कोरोनावायरस से अभी तक 45 हजार से अधिक लोग संक्रमित हैं। कोरोनावायरस ने दुनियाभर में हजारों लोगों की जान ले ली है। इस कोरोनावायरस से दुनिया का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी इवेंट (मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस-2020) रद्द हो गया है। जो 24 से 27 फरवरी को होना था। चीन ने एक ऐसा मोबाइल एप लॉन्च किया है जो यह बताएगा कि आप कोरोना वायरस से ग्रसित हैं या नहीं। जानते हैं इस एप के बारे में...

यह एप बता देगा कि आपको Coronavirus है या नहीं

ऐसे करता है काम

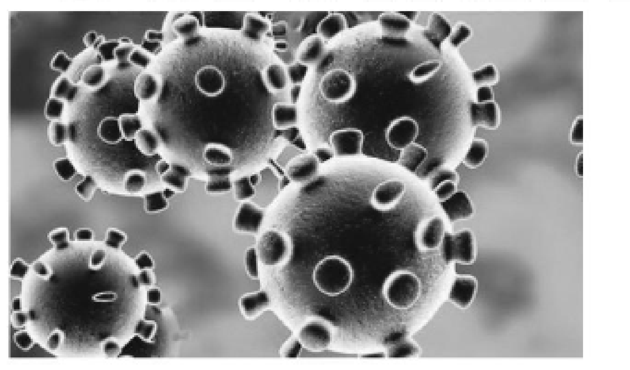

चीन ने लॉन्च किया कोरोना वायरस क्लोज कॉन्टैक्ट डिटेक्टर एप

चीनी सरकार ने कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए जिस एप को पेश किया है, उसका नाम क्लोज कॉन्टैक्ट डिटेक्टर रखा गया है। यदि आप किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आए होंगे, जो कोरोना वायरस से संक्रमित है तो यह आपको अलर्ट करेगा और पास के किसी अस्पताल में जाने की सलाह देगा।

QR कोड स्कैन करके करना होगा रजिस्टर्ड

इस एप से अपनी जांच करने के लिए यूजर्स को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म WeChat जैसे एप के क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा। इसके बाद मोबाइल नंबर और नाम के साथ रजिस्टर्ड करना होगा। इस एप को चीन की इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी ग्रुप कॉर्पोरेशन ने साथ मिलकर तैयार किया है। अब सवाल यह है कि आखिर यह एप काम कैसे करता है और कोई एप कैसे बता सकता है कि आपको कोरोना वायरस है या नहीं?

कैसे काम करता है क्लोज कॉन्टैक्ट डिटेक्टर एप

चीन की सरकार ने इस बात की जानकारी तो नहीं दी है कि आखिर यह एप किस आधार पर कोरोना वायरस की जानकारी देता है, लेकिन इस एप की सिक्योरिटी को लेकर सवाल जरूर उठने लगे हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह एप लोकेशन के आधार पर आपको बताता है कि आप कोरोना वायरस से संक्रमित हैं या नहीं। दरअसल यह एप आपकी लोकेशन हिस्ट्री चेक करता है, और जैसे ही इसको पता चलता है कि आप ऐसे इलाके में गए थे जहां कोरोना वायरस है तो यह एप आपको अलर्ट करेगा। लेकिन इस एप के जरिए सरकार को आपकी पूरी गतिविधियों की जानकारी मिल जाएगी कि आप कब और किस वक्त कहां पर थे।

Safer Internet Day पर गूगल ने पेश किया पासवर्ड चेकअप फीचर

हैक तो नहीं हुआ आपका अकाउंट, ऐसे करें चेक

11 फरवरी को दुनियाभर में Safer Internet Day मनाया गया है। गूगल ने भी इस मौके पर यूजर्स को पासवर्ड चेकअप फीचर ऑफर किया है। इस फीचर की मदद से यूजर यह जान सकते हैं कि उनका पासवर्ड कितना सिक्योर है। पासवर्ड कितना स्ट्रॉन्ग है, यह तय करने के लिए कई पैरामीटर सेट किए गए हैं। पासवर्ड चेकअप यूजर्स को तीन चीजें बताता है। इसमें पासवर्ड हैक, रीयूज्ड पासवर्ड और गूगल अकाउंट से जुड़े कमजोर पासवर्ड के बारे में जाना जा सकता है।

गूगल ने शेयर किया लिंक

यूजर्स को पासवर्ड चेकअप सर्विस को एक्सेस करने में परेशानी न हो इसके लिए गूगल ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से एक लिंक शेयर किया है। गूगल द्वारा पोस्ट किए गए इस ट्वीट में दिया गया लिंक यूजर को गूगल पासवर्ड मैनेजर पेज पर रीडायरेक्ट करता है।

डिलीट या बदल सकते हैं पासवर्ड

पासवर्ड चेकअप पेज आपको आपके गूगल अकाउंट से जुड़े सभी एप्स और वेबसाइट्स की जानकारी देता है। यहां, यूजर इन एप्स या वेबसाइट्स पर सेव पुराने पासवर्ड को बदल सकते हैं। साथ ही वे चाहें तो पासवर्ड डिलीट भी कर सकते हैं। डिलीट बटन पर क्लिक करते ही आपकी स्क्रीन पर पॉप-अप मेसेज आएगा जिसे आपको पासवर्ड डिलीट करने से पहले कन्फर्म करना होगा।

15 साल का हुआ गूगल मैप्स

बीते दिनों गूगल मैप्स के 15 साल पूरे हुए। इस अवसर पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने गूगल मैप्स पर दुनियाभर में मौजूद अपने पसंदीदा 18 वेजटेरियन रेस्ट्रॉन्ट्स की लिस्ट शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने ट्विटर हैंडल के जरिए गूगल मैप्स के जुड़ी कुछ जानकारियों को भी शेयर किया।

विंडोज 7 को फ्री में विंडोज 10 में कर सकते हैं अपग्रेड, यह है तरीका

माइक्रोसॉफ्ट ने 14 जनवरी से विंडोज 7 को सपोर्ट देना बंद कर दिया है। आपको बता दें कि माइक्रोसॉफ्ट ने इस सॉफ्टवेयर को 2009 में लॉन्च किया था। जब माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज 10 ऑपरेटिंग सिस्टम को लॉन्च किया था, तो उस समय कंपनी ने कहा था कि विंडोज 7 के यूजर्स फ्री में विंडोज 10 में अपग्रेड कर सकते हैं लेकिन यह सुविधा 29 जुलाई 2016 तक ही उपलब्ध थी। ऐसे में यदि आप विंडोज 7 को विंडोज 10 होम में अपग्रेड करना चाहते हैं तो आपको कम-से-कम 9,299 रुपये चुकाने होंगे, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि आप अभी भी फ्री में विंडोज 7 को विंडोज 10 में अपग्रेड कर सकते हैं। आइए हम आपको इसका तरीका बताते हैं....

- रिपोर्ट के मुताबिक भले ही फ्री में विंडोज 10 में अपग्रेड करने वाला प्रमोशन 2016 तक था लेकिन आप अभी भी विंडोज 7 को विंडोज 10 में अपग्रेड कर सकते हैं और खास बात यह है कि आपको किसी थर्ड पार्टी पर जाने की दरकार नहीं है। आप माइक्रोसॉफ्ट की साइट से ही डाउनलोड कर सकते हैं।
- दरअसल बात कुछ ऐसी है कि विंडोज 7 से विंडोज 10 में अपग्रेड करने वाला लिंक माइक्रोसॉफ्ट की वेबसाइट पर अभी भी लाइव है, जहां से आप विंडोज 10 में अपने विंडोज 7 को अपग्रेड कर सकते हैं।
- सबसे पहले इस लिंक पर क्लिक करके विंडोज 10 डाउनलोड के लिए माइक्रोसॉफ्ट की साइट पर जाएं।
- इसके बाद आपको Creat Windows 10 installation media का विकल्प दिखेगा। इसके नीचे Download tool now पर क्लिक करें और रन करें।
- इसके बाद आप अपग्रेड PC now पर क्लिक करें। इसके बाद मिलने वाले कमांड को फॉलो करें। अब अपग्रेड पूरा होने के बाद सेटिंग एंड सिक्योरिटी में जाकर एक्टिवेशन में जाएं। इसके बाद आपसे लाइसेंस कोड पूछा जाएगा जिसमें आपको विंडोज 7 का लाइसेंस कोड डालना होगा।

गूगल लाया Emoji Kitchen फीचर

अब खुद बना सकेंगे मनपसंद इमोजी

मौजूदा समय में सारे स्मार्टफोन यूजर्स अपनी रोजाना जिंदगी में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। ज्यादातर स्मार्टफोन यूजर्स को इमोजी का इस्तेमाल करना पसंद होता है। ऐसे में इमोजी पसंद करने वाले यूजर्स के लिए गूगल एक नया फीचर्स लेकर आया है। गूगल जीबोर्ड के लिए गूगल एक नया फीचर रोल आउट कर रहा है। इस फीचर को इमोजी किचन (Emoji Kitchen) नाम दिया गया है। इस फीचर की मदद से आप अपने मनपसंद इमोजी कस्टमाइज कर सकेंगे।

इमोजी किचन से कस्टमाइज करें इमोजी

इमोजी किचन फीचर के जरिए आप अपने फेवरेट इमोज कस्टमाइज कर सकेंगे। इस फीचर के जरिए आप अपने फेवरेट इमोजी को मर्ज करके नया इमोजी बना सकते हैं। गूगल ने इस फीचर का अपडेट रोल आउट कर दिया है। इस फीचर का इस्तेमाल करने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर जाकर आप अपना गूगल जीबोर्ड एप अपडेट कर सकते हैं।

रिचार्ज फीचर भी ला चुका है गूगल

इमोजी किचन फीचर के रोल आउट से पहले गूगल हाल ही में गूगल सर्च के जरिए रिचार्ज का फीचर भी लाया था। इसके जरिए कोई भी यूजर गूगल सर्च के जरिए अपना नंबर पर रिचार्ज कर सकते हैं। गूगल के इस फीचर का इस्तेमाल करने के लिए यूजर्स को अपने एंड्रॉयड फोन में prepaid Mobile recharge, Sim recharge या recharge जैसे शब्द डालकर सर्च करना होगा। इसके बाद सर्च रिजल्ट आपको मोबाइल रिचार्ज सेक्शन (Mobile recharge Section) दिखाएगा। जहां यूजर्स को अपना मोबाइल नंबर, टेलिकॉम ऑपरेटर और सर्किल जैसे ऑप्शन भरने होंगे। कुछ यूजर्स को सर्च में ये सारे डीटेल्स भरे हुए भी मिल सकते हैं। इसके बाद यूजर्स को ब्राउज प्लान्स (Browse Plans) पर क्लिक करना होगा। इसके बाद, गूगल आपको उस टेलिकॉम ऑपरेटर के सभी उपलब्ध प्रीपेड प्लांस दिखाएगा। इस लिस्ट में से अपना पसंदीदा रिचार्ज प्लान चुन सकते हैं। जैसे ही आप प्लान सेलेक्ट करते हैं, आपके सामने वैलिड ऑफर्स की लिस्ट आ जाती है। इसके बाद यूजर्स ऑफर प्रोवाइडर्स को टैप कर सकते हैं।

इन साइटों से करें ट्रांजैक्शन

फिलहाल, Freecharge, MobiKwik, Google Pay, Phone Pay और Paytm जैसे प्रोवाइडर्स लिस्टेड हैं। जब कोई यूजर ट्रांजैक्शन कंप्लीट कर लेता है तो प्रोवाइडर्स के कंफर्मेशन पेज पर बटन दिया गया है, जो कि यूजर को वापस सर्च पर ले आता है। कंफर्मेशन पेज पर यूजर्स को रिचार्ज को लेकर कस्टमर सपोर्ट इंफॉर्मेशन का एक्सेस दिया जाता है।

व्हाट्सएप के यूजरबेस में हुआ बड़ा इजाफा, यूजर्स की संख्या 1 अरब के पार

मैसेजिंग एप व्हाट्सएप ने अपने यूजरबेस को लेकर बड़ा ऐलान किया है। व्हाट्सएप का कहना है कि इस समय उसके प्लेटफॉर्म के साथ करीब 2 अरब से ज्यादा यूजर्स जुड़े हैं। हालांकि, व्हाट्सएप अब भी यूजर्स के मामले में फेसबुक से काफी पीछे है। इस समय 2.4 अरब यूजर्स फेसबुक के साथ है। वहीं, व्हाट्सएप ने अब तक भारतीय यूजर्स का आकड़ा जारी नहीं किया है। आपको बता दें कि पिछले साल व्हाट्सएप के भारतीय यूजर्स की संख्या 40 करोड़ के पास पहुंच गई थी।

व्हाट्सएप को वीचैट और टेलीग्राम से मिली चुनौती

टेलीग्राम और वीचैट लगातार व्हाट्सएप को चुनौती देते आए हैं। यूजरबेस की बात करें तो चीन में वीचैट के यूजर्स की संख्या 1 अरब के पास है, तो दूसरी तरफ टेलीग्राम के साथ 30 करोड़ यूजर्स जुड़े हैं। हालांकि, यूजरबेस के मामले में दोनों कंपनियां अब भी व्हाट्सएप से पीछे हैं।

व्हाट्सएप का सफर

2009 में व्हाट्सएप की शुरुआत हुई थी। इसके बाद देखते-ही-देखते व्हाट्एप के यूजरबेस में इजाफा हुआ था। 2014 में व्हाट्सएप के यूजरबेस में 50 करोड़ की बढ़ोतरी हुई और कुछ समय बाद यह आकंड़ा 60 करोड़ तक पहुंच गया था। वहीं, 2017 में व्हाट्सएप के साथ करीब 150 करोड़ यूजर्स जुड़े थे। अब 2020 में यूजर्स का आकड़ा 2 अरब तक पहुंच गया है।

व्हाट्सएप का ब्लॉग पोस्ट

व्हाट्सएप ने अपने आधिकारिक ब्लॉग पोस्ट में लिखा है कि हमें बहुत खुशी है कि हमारे साथ 2 अरब यूजर्स जुड़े हैं। इसके अलावा व्हाट्सएप ने कहा है कि तकनीक के इस जमाने में मजबूत इनक्रिप्शन की जरूरत है, जिससे यूजर्स का डाटा बहुत सुरक्षित रहेगा। साथ ही हमने प्लेटफॉर्म के जरिए वीडियो कॉलिंग और चैटिंग की सुविधा से यूजर्स के बीच लंबी दूरी को कम किया है।

व्हाट्सएप के नए फीचर्स

खुद डिलीट हो जाने वाले मैसेज जल्द ही यूजर्स को व्हाट्सएप में यह अपडेट मिल सकता है। इस फीचर में यूजर्स को पर्सनल और ग्रुप चैट्स में डिलीट मैसेज फीचर को ऑन और ऑफ करने का ऑप्शन मिलेगा। जिसमें यूजर को मैसेज डिलीट करने का समय डालना होगा। तय समय पर मौजूदा मैसेज खुद-ब-खुद डिलीट हो जाएगा।

वॉलपेपर

एप में वॉलपेपर ऑप्शन को अलग सेक्शन डिस्प्ले में मूव कर दिया है। पहले यह चैट सेटिंग में देखने को मिलता था। वॉलपेपर के लिए डिस्प्ले ऑप्शन सेलेक्ट करना होगा।

लोकेशन ट्रैकिंग से प्रोफाइल पिक्चर सेव करने तक, WhatsApp के 5 कमाल के फीचर्स

दुनिया के सबसे पॉपुलर मेसेजिंग एप वॉट्सएप ने हाल ही में 200 करोड़ यूजर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने घोषणा की है कि सोशल मीडिया एप्स पर यूजर्स के मामले में अब वह सिर्फ फेसबुक से पीछे है। वॉट्सएप का इस्तेमाल सबसे ज्यादा भले ही चैटिंग के लिए किया जाता हो, लेकिन इसमें ऐसे कई फीचर्स हैं जो आपके लिए बड़े काम के साबित हो सकते हैं। वॉट्सप के जरिए आप मेसेज भेजने के साथ ही किसी की लाइव लोकेशन ट्रैकिंग और ऐसे ही कई जरूरी काम कर सकते हैं।

लाइव लोकेशन करें ट्रैक

वॉट्सएप के जरिए आप अपनी लोकेशन भेज सकते हैं या फिर किसी और से लोकेशन को मंगाकर उसकी लाइव ट्रैकिंग कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चैट ओपन करें। फिर अटैचमेंट वाले आईकन पर टैप करें। Location पर टैप करें। फिर Share Live Location पर टैप करके अपनी लोकेशन किसी कॉन्टेक्ट को भेज दें। यहां आप तय कर सकते हैं कि सामने वाले को आपकी लोकेशन कितनी देर के लिए दिखती रहे।

कॉन्टेक्ट या ग्रुप को करें Mute

अगर आप किसी ग्रुप या कांटेक्ट के मैसेज से परेशान हो गए हैं और उन्हें ब्लॉक नहीं करना चाहते, तो वॉट्सएप में आपको Mute का ऑप्शन भी मिलता है। इसके लिए वॉट्सएप की

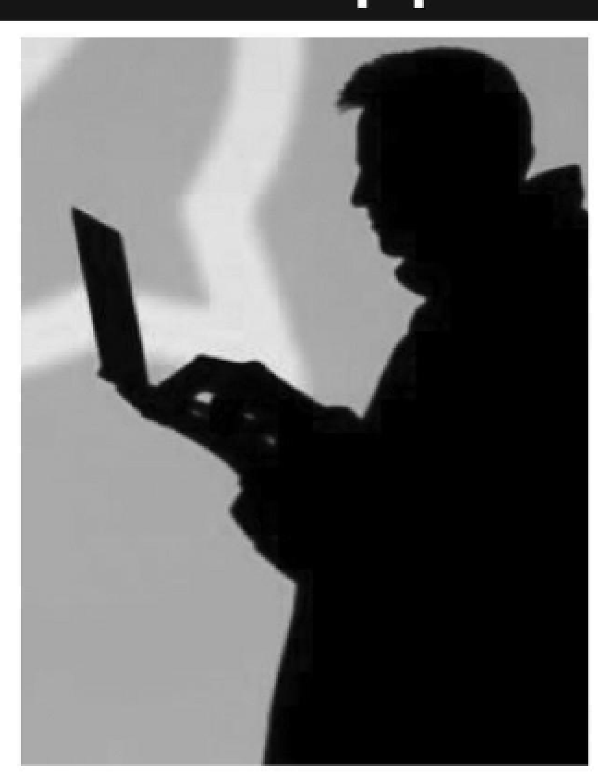

होम स्क्रीन पर जाएं। चैट को टैप करके रखें। ऊपर की तरफ आपको कई ऑप्शंस दिखाई देंगे। इन्हीं में से म्यूट के ऑप्शन को चुन लें। आप किसी को भी 8 घंटे, 1 हफ्ता या 1 साल के लिए म्यूट कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको इन लोगों के मेसेज तो मिलते रहेंगे, लेकिन उनका नोटिफिकेशन दिखाई नहीं देगा।

कम्प्यूटर पर यूज करें वॉट्सएप

- इसके लिए कंप्यूटर के इंटरनेट ब्राउजर पर web.whatsapp.com ओपन करें।
- वेबसाइट पर एक QR कोड दिखाई देगा।
- इस QR कोड को अपने वॉट्सएप मोबाइल एप से स्कैन करें।
- अब आपके कंप्यूटर पर वॉट्सएप चलने लग जाएगा।

ऑटो डाउनलोडिंग बंद करके बचाएं फोन की स्टोरेज

वॉट्सएप पर आने वाली तस्वीरें और विडियोज आपके फोन की स्टोरेज का काफी हिस्सा इस्तेमाल करती हैं। हालांकि अगर आप वॉट्सएप के ऑटो डाउनलोड फीचर को बंद कर देंगे तो फोन की काफी स्टोरेज बचाई जा सकती है। इसके लिए वॉट्सएप की Settings में जाएं > Data Usage में जाएं। अब Media Auto Download वाले ऑप्शन में No Media सिलेक्ट कर लें।

सेव प्रोफाइल पिक्चर

हाल में वॉट्सएप ने प्रोफाइल पिक्चर को कॉपी करने, फोन की गैलरी में सेव करने या शेयर करने पर रोक लगा दी है। वॉट्सएप का यह अपडेट फिलहाल बीटा यूजर्स को मिल रहा है। हालांकि ग्रुप्स के लिए वॉट्सएप का यह फीचर अभी भी उपलब्ध है और ग्रुप आइकन को सेव या शेयर किया जा सकता है।

घर में हैं पुराने कपड़े तो इन वेबसाइट्स पर बेचकर कमा सकते हैं पैसे

आप में से कई लोग ऐसे होंगे जिन्होंने कपड़े खरीद लिए होंगे लेकिन उन्हें इस्तेमाल नहीं करते होंगे। कई लोग ऐसे भी होंगे जिनके पास बहुत सारे कपड़े होंगे जो कि घर पर बेकार ही पड़ें होंगे। साइज छोटे-बड़े हो जाने के कारण कपड़ों का इस्तेमाल नहीं हो रहा होगा तो आप उन कपड़ों को बेच भी सकते हैं। चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी वेबसाइट्स के बारे में बताते हैं जहां आप अपने पुराने कपड़े बेच सकते हैं....

Elanic

पुराने कपड़े ऑनलाइन बेचने के लिए Elanic एक बढ़िया प्लेटफॉर्म है। इस साइट पर आप आसानी से कपड़े के खरीदारों से बात कर सकते हैं। इस साइट पर पुराने कपड़ों की कीमत भी अच्छी मिलती है। बेचने के लिए अलावा इस साइट से आप सेकेंड हैंड कपड़े खरीद भी सकते हैं।

OLX

ओएलएक्स के बारे में तो आप जानते ही हैं। ओएलएक्स पर पुराने कपड़ों के अलावा कई चीजें बेच सकते हैं। इस साइट से भी आप बेचने के अलावा कपड़े खरीद भी सकते हैं, हालांकि ओएलएक्स पर आपको थोड़े सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि आए दिन लोगों के ठगे जाने की खबरें सामने आती हैं।

Etashee

Etashee भी एक ऑनलाइन साइट है जिसका इस्तेमाल आप अपने पुराने कपड़े अच्छी कीमत में बेचने के लिए कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि यह साइट एक फैशन फोकस्ड साइट है। इस साइट से आप नए के साथ-साथ पुराने कपड़े खरीद भी सकते हैं। इसके अलावा अपने पुराने कपड़े बेचने के लिए भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

Spoyl

इस साइट पर आप कपड़े के अलावा ब्यूटी और बेबी प्रोडक्ट्स भी खरीद और बेच सकते हैं। इस साइट पर आप किताबें भी बेच सकते हैं। इस वेबसाइट का एप भी है जिसकी मदद से आप ग्राहकों से बात कर सकते हैं और कीमत के बारे में मोल-भाव कर सकते हैं।

Refashioner

इस साइट का नाम ही रीफैशनर है। इस साइट पर आप आप अपने पुराने जूते, बैग्स, कपड़े और अन्य सामान बेच सकते हैं। इस साइट से आप तमाम मॉडल्स और एक्टर्स के कपड़े भी खरीद सकते हैं।

अपने कंप्यूटर-लैपटॉप के लिए 3 मुफ्त स्मार्ट म्यूजिक प्लेयर करें डाउनलोड

संगीत सुनने का मजा होगा दुगना

यदि डिफॉल्ट म्यूजिक प्लेयर आपकी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर रहा, तो इन म्यूजिक प्लेयर्स को डाउनलोड करें। कंप्यूटर पर विंडोज के अलग-अलग वर्जन के साथ आने वाले डिफॉल्ट म्यूजिक प्लेयर आपकी सभी जरूरतों पर खरे नहीं उतरते हैं। इंटरनेट पर कुछ ऐसे म्यूजिक प्लेयर एप्स हैं, जिन्हें आप मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं। इनसे संगीत की गुणवत्ता में बदलाव किया जा सकता है।

Dopamine

इस एप का इस्तेमाल करना बेहद ही आसान है। इसमें एक सिंपल विजर्ड दिया गया है, जो आपको अपने गाने इंपोर्ट करने और उन्हें चलाने की सहूलियत देता है। इस मुफ्त म्यूजिक एप को इस तरह डिजाइन किया गया है, जो आसानी से संगीत सुनने का आनंद देता है। विंडोज 10 पर इसका कोई मुकाबला नहीं है। यह WAV, MPx, Ogg, Vorbis, FLAC, WMA और MyAAAC को सपोर्ट करता है।

VLC

यह प्लेयर केवल एक फाइल या म्यूजिक स्ट्रीम को प्ले कर सकता है। यह 3GP, ASF, AVI, DVR-MS, FLV, MKV, MIDI, MPy, Ogg, OGM, WAV, Raw DV, MXF, VOB, RM, VCD, SVCD, CD Audio और DVB आदि को सपोर्ट करता है।

MusicBee

विंडोज के लिए यह एक शानदार मुफ्त म्यूजिक एप्लिकेशन है। म्यूजिकबी एक नायाब म्यूजिक मैनेजर और प्लेयर है। इसमें डिजिटल प्रोसेसिंग इफेक्ट के साथ एक मल्टी ब्रैंड इक्वलाइजर है, जो कि हाई इंड ऑडियो कॉर्ड्स को सपोर्ट करता है।

ये Karaoke एप्स करेंगे मदद, स्टूडियों की तरह घर पर ही म्यूजिक के साथ गा सकते हैं गाना

अगर आप भी अपने दोस्तों के साथ मिलकर कराओके (karaoke) यानी अपनी पसंद के गायक की तरह गाना चाहते हैं, तो हम आपके लिए कुछ चुनिंदा कराओके एप्स लेकर आए हैं। इन सभी एप्स में आपको मनपसंद गानें और म्यूजिक ट्रैक मिलेंगे। इतना ही नहीं आप अपनी बनाई गई वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर पाएंगे। वहीं, इन एप्स से आपके गायन कौशल में भी सुधार होगा। तो आइए इन सभी कराओके एप्स पर डालते हैं एक नजर...

Smule Sing : इस एप के जरिए आप अपने दोस्तों के साथ मिलकर कराओके वीडियो बना सकते हैं। इस एप में आपको स्टूडियो इफेक्ट की सुविधा मिलेगी, जिससे आपकी आवाज में सुधार हो जाएगा। वहीं, इस एप का साइज 34 एमबी है।

Karaoke - Sing Karaoke, Unlimited Songs : इस एप के जरिए आप दोस्तों के साथ मिलकर कराओके बना सकते हैं। इतना ही नहीं आपको इस एप में तमाम ऐसे फीचर्स मिलेंगे, जिससे आप अपनी पसंद के गायक की तरह गाना गा सकेंगे। आपको बता दें कि इस एप को 50 लाख बार डाउनलोड किया गया है। वहीं, इस एप का साइज 16 एमबी है।

The Voice Karaoke: टीवी शो सभी लोकप्रिय कार्यक्रमों में से एक है। फिलहाल, यह शो टीवी पर प्रसारित नहीं हो रहा है। इस शो के मेकर्स ने द वॉइस कराओके एप को खास गाने का शौक रखने वालों के लिए पेश किया था। इस एप में यूजर्स स्टूडियो वोकल और विजुअल इफेक्ट के साथ गाना गा सकेंगे। वहीं, इस एप का साइज 18 एमबी है।

Mobile Karaoke : मोबाइल कराओके एप के जरिए आप खास फीचर्स के साथ वीडियो बना सकते हैं। इसके अलावा आपको इस एप में गाना रिकॉर्ड करने के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करने की सुविधा मिलेगी। वहीं, इस एप का साइज 12 एमबी है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor: ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.

■ जालंधर/चंदन

जालंधर के रेडक्रांस भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में मेयर जगदीश राजा द्वारा ज्योति प्रज्जवलित कर इसका शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जो गरीब परिवारों ने अपना मकान सरकार से ग्रांट लेकर पूरा किया था उनको सम्मानित किया गया। समारोह में यह भी जानकारी दी गई कि जो गरीब परिवार अपने कच्चे मकानों में रहते है उनके पास कच्चे मकान की रजिस्ट्री,बिजली का बिल व अन्य दस्तावेज होंगे व गरीब परिवार पंजाब शहरी आवास योजना के अंतर्गत आते उनको लोन सुविधा के लिए वो अपना फार्म कमरा नं. 13 नगर-निगम जालंधर कंपनी बाग से प्राप्त कर सकते है। अब तक जालंधर में कुल 657 गरीब परिवारों को 5.44 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई है। सरकार द्वारा जिन गरीब परिवारों को लोन दिया गया था उनमें से जिन गरीब परिवार ने अपना मकान पूरी तरह से बना लिया उनको प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मेयर श्री जगदीश राजा, एडशिनल कमिशनर श्रीमती बबिता, श्री राजीव वर्मा ज्वाइंट कमिशनर, श्री हरचरण सिंह ज्वाइंट कमिशनर, श्री हरप्रीत सिंह वालिया ओ.एस.डी. मेयर, श्री उमा महेश्वर सुप्रीडेंट स्टोर व श्रीमती निर्मलजीत कौर सहायक प्रौजेक्ट ऑफिसर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डिप्टी कमिशनर और एस.एस.पी. द्वारा लोगों को कानूनी तौर पर विदेशों में जाने के लिए जागरूक करने की जरूरत पर दिया जोर

सुरक्षा एवं कानूनी प्रवास से संबंधित करिड की गोल मेज कान्फ्रेंस का किया नेतृत्व

■ जालंधर/प्रभात सूरी

डिप्टी कमिश्नर जालन्धर श्री वरिन्दर कुमार शर्मा और एस.एस.पी.जालन्धर श्री नवजोत सिंह माहल की तरफ से लोगों को सुरक्षित और कानूनी तौर पर विदेशों में प्रवास करने के प्रति जागरूक करने के लिए और ठोस प्रयास किये जाने की जरूरत पर जोर दिया गया।

ग्रामीण और औद्योगिक विकास (क्रीड) की तरफ से सुरक्षित और कानूनी प्रवास से संबन्धित करवाई गई गोल मेज कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डिप्टी कमिशनर और एस.एस.पी.ने कहा कि यह समय की आवश्यकता है कि लोग सुरक्षित और कानूनी तौर पर विदेश जाने के रास्ते को अपनायें। उन्होने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है और दोआबा क्षेत्र और खास कर जालंधर से बहुत ज्यादा एन.आर.आईज हैं और नौजवानों में विदेशों में जाने के उत्साह में बेतहाशा विस्तार हुआ है। उन्होने कहा कि पंजाबियों की तरफ से दुनिया के कोने -कोने में जा कर अलग -अलग क्षेत्रों में अपनी ताकत का लोहा मनवाया है।

डिप्टी कमिशनर और एस.एस.पी.ने कहा कि चाहे खाडी या विकाशील देश हो पंजाबियों ने अपनी सख्त मेहनत के फलस्वरूप उस देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाई है। उन्होने कहा कि एक अनुमान के अनुसार राज्य से हर साल 1 लाख से अधिक नौजवान विदेशों में जा रहे हैं। डिप्टी कमिशनर और एस.एस.पी.ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान राज्य में गैर कानूनी ट्रैवल एजेंटें पैदा हो गए थे। उन्होने कहा कि गैर कानूनी ट्रैवल एजेंटों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए पिछले वर्ष के दौरान 1000 के करीब ट्रैवल एजेंटों को प्रशासन के पास रजिस्टर्ड करवाया गया है। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि लोक अभी भी फर्जी ट्रैवल एजेंटों के जाल में फंस रहे हैं जिन को रोकने की आवश्यकता है।

डिप्टी कमिशनर और एस.एस.पी.ने कहा कि कैनेडा एक विकसित देश है और वहाँ के लोगों का जीवन स्तर और खुशहाली दुनिया भर के लोगों को अपने तरफ आकर्षित कर रहा है। उन्होने कहा कि सुरक्षित और कानूनी

प्रवास समय की आवश्यकता है और इसके लिए हम सØी को उचित प्रयास करने चाहिएं। उन्होने जोर देते हुए कहा कि लोगों को सुरक्षित और कानूनी प्रवास के प्रति जागरूक करने के लिए ऐसे सैमीनार और करवाए जायें।

इस अवसर पर इमीग्रेशन रिफ्यिूजी और सीटीजनशीप कैनेडा श्री क्रिस्टोफर केर ने कहा कि पिछले वर्ष के दौरान नौजवानों में कैनेडा जाने के लिए 400 प्रतिशत रुझान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पंजाबी जोकि दुनिया की कुल आबादी का 2.3 प्रतिशत हैं की तरफ से 60 प्रतिशत कैनेडा में प्रवास किया जा चुका है। उन्होने कहा कि कैनेडा सरकार कानूनी तौर पर आने वाले लोगों का गर्मजोशी से स्वागत करती है। इस अवसर पर डिप्टी कमिशनर पुलिस अरुण सैनी, पूर्व डायरै1टर जनरल और प्रोजै1ट कोआरडीनेटर क्रीड डा.किशन चंद, प्रो.करिड डा.अशवनी कुमार नन्दा, कार्यकारी डायरै1टर करिड सुनील बांसल, अनिन्दिता बुरागोहे और मोनिका मोरीकाज और अन्यों की तरफ से भी संबोधन किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डा.गुरविन्दर कौर चावला, डिप्टी डायरैक्टर रोजगार सुनीता कल्याण, उप जिला शिक्षा अधिकारी गुरप्रीत कौर और अन्य भी उपस्थित थे।

वित्त विभाग द्वारा बिजली सब्सिडी और विभिन्न कल्याण स्कीमों के लिए 577 करोड़ रुपए जारी

■ चंडीगढ़/विजय कुमार

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह की हिदायत पर वित्त विभाग ने पंजाब राज्य बिजली निगम, सरबत सेहत बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और जल सप्लाई के विभिन्न प्रोजैक्टों के लिए 577 करोड़ रुपए जारी किये हैं।

आज यहाँ यह प्रकटाव करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि किसानों को खेती ट्यूबवैलों पर दी जाने वाली सब्सिडी के एवज़ में पावरकॉम को 400 करोड़ रुपए जारी किये गए हैं। इसी तरह सरबत सेहत बीमा योजना के अंतर्गत 135 करोड़ रुपए जारी किये गए हैं जिससे बीमा कंपनी को दूसरी किश्त की अदायगी की जानी है। जिक्रयोग्य है कि इस स्कीम के अधीन 45.89 लाख परिवारों को शामिल किया गया हैं जो राज्य की लगभग 75 प्रतिशत आबादी के बराबर है। इस स्कीम के अधीन प्रति परिवार 5 लाख रुपए सालाना नकद रहित बीमे का उपबंध है और अब तक स्कीम के अधीन 181.55 करोड़ रुपए की लागत से 1.57 लाख लाभपात्रियों का ईलाज किया जा चुका है।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 27 करोड़ रुपए और राज्य में जल सप्लाई के विभिन्न प्रोजैक्टों के लिए 15 करोड़ रुपए जारी किये गए हैं जिससे लोगों के लिए पेयजल मुहैया करवाना यकीनी बनाया जा सके।

बाजार में चार दिन से जारी गिरावट पर लगा विराम, सेंसेक्स 429 अंक उछला

■ मुंबई/न्यूज नेटवर्क

स्थानीय शेयर बाजारों में पिछले चार कारोबारी दिवस से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और बीएसई-सेंसेक्स में 429 अंक तथा एनएसई-निफ्टी में 133 अंक का उछाल आया।

चीन में कोरोनो वायरस के नए मामलों में कमी आने की रिपोर्ट और भारत पर इस विषाणु के आर्थिक प्रभावों से निपटने के लिये जल्द कदम उठाने की केंद्र सरकार की घोषणा से निवेशकों की धारणा में सुधार दिखा। बीएसई का तीस शेयरों वाला सेंसेक्स मजबूती के साथ खुला और दिन में 41,357.16 अंक तक चढ़ गया था। अंत में सेंसेक्स पिछले बंद से 428.62 अंक यानी 1.05 प्रतिशत बढ़ कर 41,323 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 133.40 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 12,125.90 अंक पर बंद हुआ। बाजार में अच्छी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.60 प्रतिशत मजबूत हुआ। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एचयूएल, ओएनजीसी और एचडीएफसी में 2.79 प्रतिशत तक की तेजी आयी। दूसरी तरफ सन फार्मा, टीसीएस, भारती एयरटेल, एल एंड टी और इंडसइंड बैंक में 1.33 प्रतिशत तक की गिरावट आयी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को चीन में फैले खतरनाक कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के लिये औषधि, कपड़ा, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी हार्डवेयर, सौर, वाहन, सर्जिकल उपकरण, पेंट, उर्वरक समेत विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सरकार कोरोना वायरस से वैश्विक बाजार में अफरातफरी का घरेलू उद्योगों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों से निपटने के लिये जल्दी ही कदम उठाएगी।

स्वर्गीय मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के ९8वें जन्म दिवस के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा

पंजाबवासियों ने देश की एकता और अखंडता बरकरार रखने का प्रण दोहराया

■ चंडीगढ़/विजय कुमार

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय स. बेअंत सिंह के ९8वें जन्म दिवस पर आज स्थानीय बेअंत सिंह मेमोरियल, सैक्टर-42 में सर्वधर्म प्रार्थना सभा करवाई गई। इस समागम के मौके पर पहुँची शख्सियतों ने उनकी समाधि पर फूल चढ़ाकर उनको याद किया।

इस मौके पर उनके पोते लोकसभा मैंबर रवनीत सिंह बिट्टू और विधायक गुरकीरत सिंह कोटली ने देश की एकता और अखंडता कायम रखने के लिए नशों, आतंकवाद, अलगाववाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम को मज़बूती से आगे लेकर जाने का प्रण दोहराया। समागम में उपस्थित शख्शियतों ने स्वर्गीय स. बेअंत सिंह को याद करते हुए उनके द्वारा पंजाब में अमन-शान्ति बहाल करने के लिए किए गए यत्नों की प्रशंसा की और

खाड़कूवाद के दौरान निभाई गई भूमिका का जिक्र किया।

उपस्थित राजनैतिक और सामाजिक नेताओं ने कहा कि पंजाब के मुश्किलों भरे दौर में जिस निडरता से स्वर्गीय स. बेअंत सिंह ने मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी सेवाएं दीं, उसके लिए उनको एक समर्पित नेता के तौर पर याद किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा पंजाब निवासियों में भाईचारक सांझ, एकता और अपनत्व बनाए रखने के लिए अथक यत्न किये गए जिसके स्वरूप राज्य फिर से खुशहाली और तरक्की की राह पर अग्रसर हुआ।

उन्होंने राज्य के लोगों के खातिर अपनी जान भी दाव पर लगा दी। उनके द्वारा शुरू की गई कोशिशों के कारण पंजाब उन्नती का नया अध्याय लिख सका। इस मौके पर लोगों ने प्रण लिया कि वह पंजाब की खुशहाली और तरक्की एवं पंजाबवासियों की खुशी और उन्ती के लिए पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा दर्शाए गए पदचिन्हों का अनुसरण करते रहेंगे। सर्वधर्म प्रार्थना में खाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले संबंधी मंत्री भारत भूषण आशू, विधायक सुरिन्दर डावर, लखवीर सिंह, गुरप्रीत सिंह जी.पी., संजय तलवार और अंगद सैनी, पूर्व मंत्री और स्वर्गीय बेअंत सिंह के सुपुत्र तेजप्रकाश सिंह, पूर्व विधायक अजीतइन्दर सिंह मोफर, मुख्यमंत्री के ओएसडी सन्दीप संधू, मेयर बलवान संधू, मलकीत सिंह दाखा, यूथ कांग्रेस के प्रधान बरिन्दर सिंह ढिल्लों समेत स्वर्गीय स. बेअंत सिंह के पारिवारिक सदस्य और राजनैतिक एवं सामाजिक नेता उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

अपने भविष्य को लेकर विराट कोहली ने दिया ये बड़ा बयान

■ वेलिंगटन/न्यूज नेटवर्क

भारतीय कप्तान विराट कोहली खुद को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में तीन साल तक कड़े परिश्रम के साथ खेलने के लिए तैयार कर रहे हैं जिसके बाद वह बदलाव के दौर में अपने काम के बोझ को थोड़ा हल्का कर सकते हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में गिने जाने वाले कोहली अगले तीन साल में टी-20 वाली दो और 50 ओवर वाली एक विश्वकप श्रृंखला के साथ भारतीय क्रिकेट की एक बड़ी तस्वीर देखते हैं जिसके बाद वह तीनों प्रारूपों में से किन्हीं दो में खेलने का फैसला कर सकते हैं। जब कोहली से पूछा गया कि क्या भारत में 2021 के विश्वकप टी-20 के बाद कम से कम एक प्रारूप को छोड़ने के बारे में फिर से विचार कर रहे हैं तो उन्होंने कहा, ''मेरी सोच बड़ी तस्वीर वाली है जहां मैं खुद को अब से तीन साल की कड़ी मेहनत के लिए तैयार कर रहा हूं।'' वह न्यूजीलैंड के विरुद्ध शुक्रवार से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने साफगोई से स्वीकार किया कि थकान और काम के बोझ का प्रबंधन ऐसे मुद्दे हैं जिन पर हर फोरम पर बातचीत होनी चाहिए।

कोहली ने कहा, ''करीब आठ साल से मैं हर साल 300 दिन खेल रहा हूं, जिसमें यात्रा और अभ्यास सत्र भी शामिल हैं।'' इस साल 31 वर्ष के हो रहे भारतीय क्रिकेट कप्तान ने माना कि बीच बीच में छुट्टियां लेना उनके लिए कारगर रहा है। उन्होंने कहा, ''ऐसा नहीं है कि खिलाड़ी हर वक्त इसके बारे में नहीं सोचते। हम व्यक्तिगत रूप से कई ब्रेक लेते हैं भले ही मैचों के कार्यक्रम के बीच हमें इसकी गुंजाइश नहीं लगती हो।

यह बात उन लोगों के लिए खासतौर पर लागू है जो हर तरह के प्रारूप में खेलते हैं।'' कोहली के लिए यह केवल उनके प्रदर्शन की बात नहीं है बल्कि नेतृत्व की भी बात है जिसके लिए उन्हें हर समय रणनीति बनाने के मकसद से दिमाग को आराम की जरूरत होगी।

भारत का 27 साल का इंतजार खत्म, सुनील कुमार ने एशियाई चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

सुनील कुमार ने मंगलवार को 87 किग्रा वर्ग के फाइनल में किर्गिस्तान के अजात सालिदिनोव को 5-0 से हराकर भारत को एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के ग्रीको रोमन वर्ग में 27 साल में पहला स्वर्ण पदक दिलाया।सुनील से पहले पप्पू यादव ने 1993 में ग्रीको रोमन में 48 किग्रा वर्ग का खिताब जीता था। सेमीफाइनल में पिछड़ने के बाद जीत दर्ज करने वाले सुनील ने यहां केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में 87 किग्रा वर्ग के फाइनल में अपने विरोधी को आसानी से पछाड़ दिया। इससे पहले सुनील सेमीफाइनल में कजाखस्तान के अजामत कुस्तुबायेव के खिलाफ 1-8 से पिछड़ रहे थे लेकिन इसके बाद जोरदार वापसी करते हुए लगातार 11 अंक के साथ 12-8 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। सुनील 2019 में भी इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे लेकिन उन्हें खिताबी मुकाबले में हार के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। सुनील ने खिताब जीतने के बाद कहा, ''आज भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर मैं काफी खुश हूं। मैंने अपनी तकनीक पर काफी कड़ी मेहनत की और अपने पिछले साल के प्रदर्शन से बेहतर करके काफी अच्छा लग रहा है।'' सुनील के एतिहासिक स्वर्ण पदक से पहले अर्जुन हलाकुर्की ने भी ग्रीको रोमन वर्ग की 55 किग्रा स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कांस्य पदक के प्ले आफ में कोरिया के डोंगहियोक वोन को 7-4 से हराया। अर्जुन का अपने पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में यह पहला पदक है। अर्जुन सेमीफाइनल में ईरान के पोया मोहम्मद नासिरपोर के खिलाफ 7-1 से आगे चल रहे थे लेकिन उन्हें 7-8 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की पदक की तीसरी उम्मीद मेहर सिंह (130 किग्रा) को हालांकि कांस्य पदक के मुकाबले में किर्गिस्तान के रोमान किम के खिलाफ 2-3 से हार झेलनी पड़ी। मेहर को सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान कलाई में लगी चोट के कारण भी परेशानी का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में मेहर को कोरिया के मिनसियोक किम के खिलाफ 1-9 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। मेहर को अंतिम लम्हों में टूर्नामेंट से तीन दिन पहले भारतीय टीम में शामिल किया गया था क्योंकि 130 किग्रा में देश के नंबर एक पहलवान नवीन चोट के कारण हट गए। इससे पहले पदक के दावेदार सजन को क्वालीफिकेशन मुकाबले में ही हार का सामना करना पड़ा। उन्हें किर्गिस्तान के अंडर 23 एशियाई चैंपियन रेनात इलियाजुलू ने 9-6 से हराया। सचिन राणा को भी 63 किग्रा वर्ग में इलमूरत तासमुरादोव के खिलाफ 0-8 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। वह इसके बाद रेपेचेज में भी कजाखस्तान के येरनूर फिदाखामेतोव के खिलाफ 3-6 से हार गए।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

IELTS • PTE • TOEFL
SPOKEN ENGLISH

TOURIST VISA | STUDY VISA | PR
WORK PERMIT | HOLIDAY PACKAGES

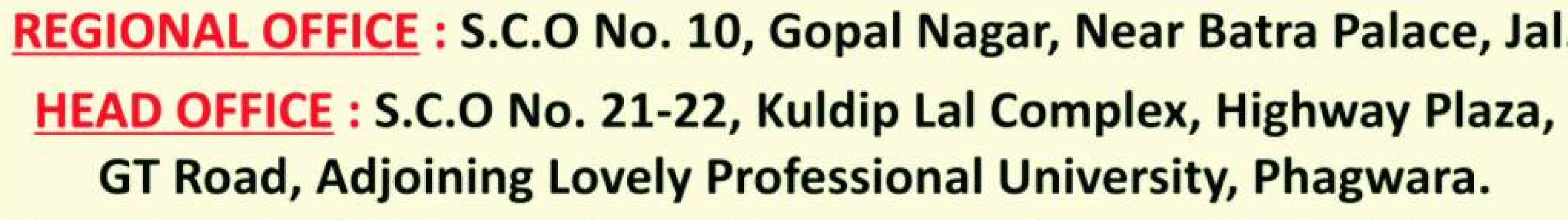

9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal.

HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com

Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin